Literacy for a Billion

Movie: Paraya Dhan
Year: 1971

Song: Holi Re Holi Rango Ki Boli
Lyricist: Anand Bakshi

होली है
होली रे होली
हो
रंगों की बोली
हो
आई तेरे घर पे
मस्तों की टोली
हो
मुख ना छुपा
ओ रानी सामने आ
होली रे होली
हो
रंगों की बोली
हो
आई तेरे घर पे
मस्तों की टोली
हो
मुख ना छुपा
ओ राजा सामने आ
लाई ले लाई ले
लाई ले लाई
अरे
लाई ले लाई ले
लाई ले लाई
जान ना पहचान
अरे मैं तेरा मेहमान
हाय रे
जान ना पहचान
अरे मैं तेरा मेहमान

काहे मारी पिचकारी
तूने बेईमान
ओ ...

हा हा हाय रे
हा हा हाय रे
हा हा हाय रे
हाय

ओ ...
जान ना पहचान
अरे मैं तेरा मेहमान
काहे मारी पिचकारी
तूने बेईमान
फागुन की बहार
इक शरमीली नार
नहीं समझे बेचारी कि बोली
होली है
लाही ले लाही ले
लाही ले लाही ले
लाही ले लाही ले ला ...
हो
होली रे होली
हो
रंगों की बोली
हो
आई तेरे घर पे
मस्तों की टोली
हो

अरे मुख ना छुपा
हो राजा सामने आ
फेकूँ मैं गुलाल
के डालूँ रंग लाल
हाय रे
फेकूँ मैं गुलाल
के डालूँ रंग लाल
आगे आगे राधा दौड़े
पीछे नन्दलाल

हो ... हो
हा हा हाय रे
हा हा हाय रे
हा हा हाय रे
हा ...
हा ...
फेकूँ मैं गुलाल
के डालूँ रंग लाल
आगे आगे राधा दौड़े
पीछे नन्दलाल
काहे करे तंग
मैं ना खेलूँ तेरे संग
भीगा मेरा अंग अंग
भीगी चोली रे
लाही ले लाही ले
लाही ले लाही ले

लाही ले लाही ले ला ...
हो ...
होली रे होली
हो
रंगों की बोली
हो
आई तेरे घर पे
मस्तों की टोली
हो
मुख ना छुपा
ओ रानी सामने आ
हे ...
होली है
नैना मत जोड़
तू बैयाँ मेरी छोड़
हाय रे
नैना मत जोड़
तू बैयाँ मेरी छोड़
मर जाऊँ मैं ना मानूँ
चुड़ियाँ ना तोड़
हो हो हो ...
हो ...

हा हा हाय रे
हा हा हाय रे
हा हा हाय रे ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.